श्री गुरुचरणकमलेभ्यो नमः

श्रावण मास साधना - जुलाई / अगस्त २०२५

१) **श्रावण सोमवार साधना :**

शिव को प्रसन्न करने हेतु एवं शिव के प्रत्यक्ष दर्शन हेतु यह साधना कर सकते है |

ध्यान: || कैलासाचल सन्निभं त्रिनयनं पंचास्यमंबायुतम् |

नीलग्रीव महीष भूषण धरं व्याघ्रत्वचा प्रावृतम् ||

अक्षस्रग्वर कुंडिका भयकरं चांद्रीं कलां बिभ्रतं |

गंगाभो विलसज्जटं वंदे महेशं परम् ||

विधान: साधक या साधिकाये स्नान आदि से निवृत होकर , सामने गुरु चित्र और कोई भी शिवलिंग या चित्र लगाकर पंचोपचार का पूजन करे ,गुरु मंत्र का जप कर , निम्न साधना प्रारंभ करे | ध्यान कर जप रूद्राक्ष या स्फटिक माला से करे |

मंत्र: || ॐ नमो भगवते रुद्राय ||

सामाग्री: शिवलिंग या चित्र, रूद्राक्ष या स्फटिक माला

(अ) श्रावण मास मे १२५० माला (सवा लाख जप) करने से शिव कृपा होति है और उनके प्रत्यक्ष दर्शन होते है |

(आ) हर सोमवार को २१ माला जप करने से संपूर्ण भौतिक सुख प्राप्त होति है |

२) **मंगल कार्य हेतु / मंगल कामना हेतु:**

विधान: साधक या साधिकाये स्नान आदि से निवृत होकर , सामने गुरु चित्र और शिवलिंग या उमामहेश्वर चित्र लगाकर पंचोपचार का पूजन करे ,गुरु मंत्र का जप कर , निम्न साधना प्रारंभ करे | हर मंगलवार को २१ माला जप रूद्राक्ष माला से करने से इच्छित कार्य पूर्ण होति है |

मंत्र: || ॐ श्रीं ह्रीं क्लीं महागौरी विद्महे शिवशक्ति धीमहि तन्नो देवी प्रचोदयात् ||

सामाग्री: शिवलिंग या उमामहेश्वर चित्र, रूद्राक्ष माला

जप संख्या: २१ माला

३) **लक्ष्मी कृपा हेतु:**

विधान: साधक या साधिकाये स्नान आदि से निवृत होकर , सामने गुरु चित्र, शिवलिंग/चित्र और लक्ष्मी-नारायण चित्र लगाकर पंचोपचार का पूजन करे ,गुरु मंत्र का जप कर , निम्न साधना प्रारंभ करे | हर शुक्रवार को (श्रवण मास में) २१ माला जप रूद्राक्ष या कमल बीज माला से जप करने से लक्ष्मी स्थायी रूप में घर में निवास करती है |

मंत्र: || ॐ लक्ष्मी प्रदाय नमः शिवाय ॐ ||

सामाग्री: शिवलिंग/चित्र, लक्ष्मी-नारायण चित्र, रूद्राक्ष या कमल बीज माला

जप संख्या: २१ माला

४) **कृष्ण-जन्माष्टमी साधना:**

कृष्ण साधना :

विधान: साधक या साधिकाये स्नान आदि से निवृत होकर , सामने गुरु चित्र और भगवान कृष्ण की मुर्ति या चित्र स्थापित कर पूर्ण पूजन करे (षोडशोपचार), गुरु मंत्र का जप कर , निम्न साधना प्रारंभ करे | १०८ माला जप **" क्लीं "** बीज के जपे | इस साधना से साधक में सम्मोहन शक्ती में वृद्धि होती है | साधना मे काली हकीक माला का प्रयोग करे |

मंत्र: || **क्लीं** ||

सामाग्री: कृष्ण की मुर्ति या चित्र , काली हकीक माला

जप संख्या:१०८ माला

कालि साधना:

विधान: साधक या साधिकाये स्नान आदि से निवृत होकर लाल वस्त्र धरण कर , सामने गुरु चित्र और काली चित्र या यंत्र लगाकर पंचोपचार का पूजन करे ,गुरु मंत्र का जप कर , निम्न साधना प्रारंभ करे | **" क्रीं "** बीज के १०८ माला जप करे | इस साधना से साधक का धैर्य मे वृद्धि होती है | साधना मे काली हकीक माला का प्रयोग करे |

मंत्र: || **क्रीं** ||

सामाग्री: काली चित्र या यंत्र , काली हकीक माला

जप संख्या:१०८ माला

****